an>

Title: Regarding reported attacks by Cow vigilant groups across the country.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : मैडम स्पीकर, यह क्या हो रहा है,....* यह क्या है?...(व्यवधान) ....* हमको बैठा सकते हैं।

HON. SPEAKER: Nothing will go on record.

*â€¦(Interruptions)â€¦**

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: हमारी बात नहीं सुन सकते, ये लोग कुछ भी बोल सकते हैं, यह क्या है?...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपको शिकायत है, मैं क्या कर सकती हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जितना आपका हक है, उतना उनका भी हक है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैडम स्पीकर, हमने जो एडजर्नमैन्ट मोशन मूव किया है, वह रूल्स 56 और 57 के तहत किया है। रूल्स के मुताबिक ही हमने आपके सामने यह पेश किया है, लेकिन मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ, ...*

माननीय अध्यक्ष : मैंने कहां कहा है?

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : यह प्रश्न उन्होंने पूछा है। रूल्स के तहत ही हमने नोटिस दिया है। I hereby give notice of my intention to ask for leave to move a motion for the adjournment of the business of the House for the purpose of discussing a definite matter of urgent importance.

माननीय अध्यक्ष : किसी ने रूल के बारे में नहीं बोला है, एडजर्नमैंट मोशन आपने ही दिया है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : यह रूल है और इसमें मैंने आपसे यही निवेदन किया है।

माननीय अध्यक्ष : मैंने एडजर्नमैंट मोशन अलाऊ नहीं किया है।

-

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : पूरे देश में अल्पसंख्यकों, महिलाओं, दलितों और कमजोर वर्ग पर गौहत्या के नाम पर और अन्य बहानों से अत्याचार और भीड़ द्वारा हत्या और लिंचिंग की घटनाएं बार-बार हो रही हैं, जिनके परिणामस्वरूप अल्पसंख्यक, दलित, महिलाओं और कमजोर वर्ग के लोगों को एक भय और आतंक के वातावरण में रहना पड़ रहा है। यह सरकार ऐसी बर्बर और शर्मनाक हत्याओं को रोकने में पूरी तरह असफल हो गई है। ...(व्यवधान) हम सदन में चर्चा के साथ-साथ यह मांग करते हैं कि प्रधान मंत्री जी ने तीन बार यह कहा कि गौरक्षक लोग गुंडे हैं, इनको रोकना पड़ता है,...(व्यवधान) इन लोगों ने कानून अपने हाथ में लिया है, इनके खिलाफ हम एक्शन लेंगे ...(व्यवधान) लेकिन आज तक कोई एक्शन उन्होंने नहीं लिया। इसीलिए इस पर चर्चा के लिए आप परमीशन दीजिए। उसमें प्राइम मिनिस्टर यहां मौजूद रहें, होम मिनिस्टर यहां मौजूद रहें और हमारी पूरी बात सुनें। मैं आपसे अपील करता हूं...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अब आपकी बात पूरी हो गई, आप नोटिस दे दीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : अगर आपने इजाजत दी तो...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी चर्चा नहीं कर रहे हैं, आप चर्चा के लिए नोटिस दे दो। क्योंकि मैंने एडजर्नमैन्ट मोशन के लिए मना किया है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आप इसी को चर्चा में लीजिए, इसी को कंवर्ट कीजिए...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I have not allowed the Adjournment Motion.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आप इसी को कंवर्ट कीजिए, आपको अधिकार है। मैडम स्पीकर आपको अधिकार है, आप इसको कंवर्ट कीजिए और मैं अपनी बात आपके सामने रखता हूं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री ई.टी.मौहम्मद बशीर तथा

श्री एम.के.राघवन को श्री मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अभी नहीं, आपने बोल दिया है, आप चर्चा का नोटिस दे दीजिए।

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): I have been giving notices for the last three days on the issue of rampage by *gaurakshaks* throughout the country. One 15 year old boy...* was stabbed to death in a train in Ballabgarh. उसके पहले राजस्थान के अलवर में ...* नाम के एक आदमी को पीट-पीट कर मार दिया गया है। ...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No names will go on record.

प्रो. सौगत राय : जब से बीजेपी की सरकार हुकूमत में आई है, सारे देश में गौरक्षक तांडव कर रहे हैं। मैडम, प्रधान मंत्री जी बोलते हैं, लेकिन कोई सुनता नहीं है। ...(व्यवधान) ...* सारे देश में सन्नाटा छाया हुआ है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं सबको बोलने का चांस नहीं दूंगी। आप बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं चर्चा के लिए मना नहीं कर रही हूँ।

â€¦(व्यवधान)

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार): अध्यक्ष महोदया, पूरा हिंदुस्तान गाय को गौमाता मानता है। ...(व्यवधान) गौमाता की रक्षा होनी ही चाहिए, यह पूरे देश का मत है। ...(व्यवधान) लेकिन यदि कोई गौरक्षा के नाम पर कानून अपने हाथ में ले ले तो वह हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। ...(व्यवधान) गृह मंत्रालय ने सन् 2016 में सभी प्रदेशों को एडवाइज़री भेजी है। ...(व्यवधान) यह हर प्रदेश के कानून और व्यवस्था का मामला है। ...(व्यवधान) ऐसी समाज विरोधी ताकतों से वहां की सरकारों को डील करना चाहिए। ...(व्यवधान) गाय की रक्षा करना, गौवंश की रक्षा करना, यह संविधान के निर्देशक तत्व का, Directive Principle Of State Policy का एक मुख्य बिंदु है। ...(व्यवधान) यह भी हम कहना चाहेंगे। ...(व्यवधान) लेकिन गौरक्षा के नाम पर कोई भी गुंडागर्दी करे, वह भी भारत सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी। ...(व्यवधान) इसके लिए हम बहुत ही जागरूक हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री जगदंबिका पाल।

â€¦(व्यवधान)

12.17 hours

(At this stage Shri Mohammad Salim, Shrimati Ranjeet Ranjan,

Shri Kalyan Banerjee and some other hon. Members came

and stood on the floor near the Table.)